लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 01 March 2023

i-NEXT PAGE 4

डिजिटल घड़ी बताएगी जनसंख्या

एलयू में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का हुआ लोकार्पण, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया उद्घाटन

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया लोकार्पण.

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (28 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण मंगलवार को हुआ. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के महानिदेशक सांख्यिकी कल सिंह और उप महानिदेशक अंजली रावत शामिल हुए. लोकार्पण के दौरान एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक व अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल भी मौजूद रहे.

जिम्मेदारी का कराती अहसास

इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि यूपी सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्रदेश है. प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की ओर अग्रसर है. उत्तर प्रदेश की जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी संबल और ताकत है. प्रदेश की जनसंख्या अनुमान के अनुसार संसाधनों का विकास करना है. अभी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में 33.50 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए हैं, इन्हें धरातल पर उतारना है. देश का लगभग 60 प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनता है, प्रदेश में जनसुविधाओं का तेजी से विकास हुआ है. जनसंख्या घड़ी लगाना महत्वपूर्ण है. यह न केवल हमारी ताकत को दर्शाती है बल्कि जिम्मेदारी का भी अहसास कराती है. भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के महानिदेशक सांख्यिकी कल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की यह नई पहल है. इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या को देखा जा सकता है.

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों ने देखा संग्रहालय

रॉबिन हुड अकादमी के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों ने लखनऊ यूनिवर्सिटी जूलॉजी डिपार्टमेंट के प्राणि वैज्ञानिक संग्रहालय का दौरा किया. साथ ही सभागार में विज्ञान फिल्में भी देखीं. जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम. सेराजुद्दीन ने बताया कि फिजिक्स विभाग में आयोजित साइंस फेस्टिवल मेले में जूलॉजी के स्टॉल पर 250 से अधिक लोग पहुंचे. जूलॉजी स्टॉल पर लाइव दिखाए गए सूक्ष्म जीवन में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गहरी दिलचस्पी दिखाई. स्टॉल पर 200 से ज्यादा लोगों ने अपने ब्लड ग्रुप और क्रोनोटाइप की जांच की.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पीएचडी प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम बदला

लविवि ने यूजीसी नेट की परीक्षा को देखते हुए अपने पीएचडी प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक बदलाव कर दिया है। बदलाव के बाद पांच मार्च को होने वाली हिंदी विषय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा अब 6 मार्च को होगी। प्रवेशपत्र विवि की वेबसाइट से बुधवार सुबह 10 बजे से डाउनलोड किए जा सकेंगे। विवि में 39 विषयों में पीएचडी की रेग्युलर 1231 और 50 सीटें पार्टटाइम हैं। इनके लिए 6672 आवेदन आए हैं। यूजीसी नेट के परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, अन्य विषयों के साथ ही पांच मार्च को हिंदी की परीक्षा है। इसी दिन लविवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा हिंदी विषय का पेपर है। विद्यार्थियों ने ट्वीट कर पीएचडी प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव की मांग की थी।

■ **लविवि : बैक पेपर इंप्रूवमेंट परीक्षा 11 से :** लविवि ने ओल्ड सिलेबस आधारित बैक पेपर और इंप्रूवमेंट परीक्षा का कार्यक्रम मंगलवार को जारी कर दिया। परीक्षाएं 11 मार्च से होंगी। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 11 मार्च को बीए और बीएससी की परीक्षा शुरू होगी। बीए की परीक्षा 10 अप्रैल तक और बीएससी की 29 मार्च तक चलेगी। वहीं बीकॉम की परीक्षा 18 से 29 मार्च के बीच होगी।

■ **सीसीटीवी कैमरे से पकड़ा नकलची :** लविवि की सेमेस्टर परीक्षा में मंगलवार को सीसीटीवी कैमरे में देखकर एक नकलची को पकड़ा गया। वह जेएनपीजी कॉलेज का छात्र है। विवि में कुल छह नकलची पकड़े गए। लविवि की परीक्षा में मंगलवार को 32 हजार 29 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 179 गैरहाजिर रहे।

डिजिटल घड़ी दिखाएंगी देश की जनसंख्या की रफ्तार

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। - संवाद

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जनसंख्या का सही अनुमान होने से संसाधनों के विकास में सहायता मिलती है। वे मंगलवार को लखनऊ विवि में डिजिटल घड़ी और सेंसस वर्क स्टेशन के उद्घाटन समारोह के मौके पर बोल रहे थे।

लविवि स्थित पॉपुलेशन रिसर्च सेंटर की ओर से आयोजित समारोह में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के महानिदेशक सांख्यिकी कल सिंह और उप महानिदेशक अंजली रावत उपस्थित रहीं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी संबल और ताकत है। विवि के गेट नंबर दो पर यह घड़ी स्थित रहेगी। कल सिंह ने कहा कि इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या देखी जा सकेगी।

सेंसस वर्क स्टेशन स्थापना से जनसंख्या अनुसंधान केंद्र मजबूत होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की मिशन निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव रोली सिंह भी ऑनलाइन जुड़ीं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल भी मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में डिजिटल जनसंख्या घड़ी शुरू

एलयू में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया।

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्रदेश है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की ओर अग्रसर है। एलयू में सेंसस वर्क स्टेशन व डिजिटल जनसंख्या घड़ी के उद्घाटन में मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक ने यह कहा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनसंख्या घड़ी को लगाना जरूरी है। यह न केवल ताकत को दर्शाती है बल्कि जिम्मेदारी का अहसास कराती है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े तैतीस लाख करोड़ के एमओयू हुए हैं इन्हें धरातल पर उतरना है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पीआरसी के निदेशक प्रो. मनोज अग्रवास से पूछा कि घड़ी कैसे जनसंख्या बताएगी। इस पर उन्होंने बताया कि यह पुरानी जनगणना के आंकड़ों से आगे का अनुमान लगाती है। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र का डाटा फायदा पहुंचाएगा।

समाज की बेहतरी के लिए वैज्ञानिक विकास जरूरी

विज्ञान दिवस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में विज्ञान संकाय ने एक साथ मंगलवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेजर जनरल (प्रो.) अतुल कोतवाल ने कहा कि वैज्ञानिक विकास समाज की बेहतरी व वैज्ञानिक तकनीकों के व्यावसायीकरण और जरूरी ज्ञान में दिखाई देता है।

विज्ञान संकाय के सभी विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के विभाग और एकेटीयू के छात्रों ने स्टॉल लगाए। भौतिकी के पीएचडी छात्रों ने बताया कि कैसे कटहल का दूध दांतों में कैविटी के इलाज में मदद करता है। वहीं गणित और खगोल विज्ञान ने छात्रों को टेलीस्कोप से ग्रहों और सितारों और नुविज्ञान ने समय के साथ मानव जाति के विकास को दिखाया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राएं।

अन्य आयोजन

- सर्वे ऑफ इंडिया में ड्रोन उड़ाकर स्वामित्व योजना में बन रहे गांव के मानचित्र का प्रदर्शन।
- बीबीएयू में विधान सभा सदस्य सुभाष त्रिपाठी ने छात्रों से कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करें।
- सीएसआईआर- एनबीआरआई में प्रो. कौल स्मृति व्याख्यान।

एकेटीयू और सीडीआरआई मिलकर कर सकते हैं शोध

सीडीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार शुक्ला ने कहा कि सीडीआरआई देश का एकमात्र शोध संस्थान है जो नई औषधि की कल्पना से लेकर मार्केट में आने तक हर पहलू पर कार्य करता है। एकेटीयू के फार्मेसी संकाय में विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम में डॉ. शुक्ला ने कहा कि सीडीआरआई और एकेटीयू फार्मेसी संकाय संसाधनों को साझा करके शोध कर सकता है।

एलयू: 179 ने छोड़ी परीक्षा, छह नकलची पकड़े

लखनऊ। एलयू स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीए, बीबीए, बीकॉम, बीएससी और बीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं में मंगलवार को 32029 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा की प्रथम पाली में 20813 और द्वितीय में 11216 विद्यार्थी उपस्थित रहे। जबकि दोनों पाली में कुल 179 स्टूडेंट्स अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सचल दल द्वारा दोनों पालियों में कुल छः नकलची पकडे गए।

व्याख्यान: नैनोटेक्नोलॉजी में अपार संभावनाएं

लखनऊ। एलयू के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में 'नैनोटेक्नोलॉजी में संभावनाएं और वैश्विक कल्याण के लिए इसके अनुप्रयोग' पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम में भौतिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर की प्रो. शिखा वर्मा ने नैनो-संरचनाओं, सतहों का परमाणु दृश्य, रमन प्रभाव और कमल के पत्ते का प्रभाव के बारे में बात की।

PIONEER PAGE 3

जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी प्रदेश की सम्बल व ताकतः पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विवि में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के महानिदेशक सांख्यकी कल सिंह, उप महानिदेशक अंजली रावत, लखनऊ विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार रॉय और जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो एम के अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला प्रदेश है। उत्तर प्रदेश का परिदृश्य बदला है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी सम्बल और ताकत है। जनसंख्या अनुमान के अनुसार संसाधनों का विकास करना है। अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े तैतीस लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए है इन्हें धरातल पर उतरना है। देश का लगभग साठ प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनता है। प्रदेश में जनसुविधाओं का तीव्र गति से विकास हुवा है, जिससे प्रदेश के निवासी गर्व महसूस कर रहें है। प्रदेश की जनसंख्या घड़ी को लगाना महत्वपूर्ण है, यह न केवल हमारी ताकत को दर्शाती है बल्कि जिम्मेदारी का भी अहसास कराती है। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के महानिदेशक सांख्यकी कल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की यह नई पहल है। इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या देखा जा सकता है। इसका दीर्घकालिक परिणाम होगा। सेंसस वर्क स्टेशन स्थापना से जनसंख्या अनुसंधान केंद्र मजबूत होगा। स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय एवं नीति आयोग को यह केंद्र डाटा उपलब्ध कराते हैं। पीआरसी लखनऊ को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इस कार्यशाला से भविष्य में लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की मिशन निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव रोली सिंह ने वर्चुवल संबोधित करते हुए कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में इससे सहयोग मिलेगा।

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के उप महानिदेशक सांख्यकी अंजली रावत ने कहा कि देश भर में 18 पीआरसी है जो पापुलेशन और स्वास्थ्य सम्बन्धी क्षेत्र में कार्य करते है। नीति आयोग पीआरसी की मोनेटरिंग करती है। प्रत्येक वर्ष हम सभी बैठक करके अध्ययन की नीति तय कर कार्य करते है जिससे सामाजिक प्रासंगिकता बनी रहती है। अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार रॉय ने विवि की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र का डाटा विवि सहित प्रदेश को लाभान्वित करता है। जनसंख्या अनुशंधान केंद्र के निदेशक एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो मनोज कुमार अग्रवाल ने आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी के माध्यम से जनसंख्या नीति और कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सकता है। लखनऊ में पहली बार जनसंख्या अनुसंधान केंद्र में कार्यकारी स्टेशन की स्थापना जनसंख्या संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण में सहायक सिद्ध होगी। कार्यशाला के निष्कर्ष राज्य सरकार की नीतियों को क्रियान्वयन करने में लाभकारी सिद्ध होगा। प्रो अग्रवाल ने बताया कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र वैज्ञानिक एवं सलाहकार समिति की बैठक के साथ ही रिपोर्ट राइटिंग कार्यशाला प्रारम्भ हुई है जो तीन दिनों तक चलेगी। कार्यशाला का समापन दो मार्च को होगा।

THE PIONEER PAGE 3

UP population clock unveiled on LU campus

Lucknow (PNS): The population clock of Uttar Pradesh was unveiled on the Lucknow University campus on Tuesday by Health Minister Brajesh Pathak. Prof MK Aggarwal from the Lucknow University said that the important aspect of this clock was that it would spread awareness on the issue and help in getting real-time data. He said that unlike the census where the figures of the population come after 11 years, it would give the count every day. "There is a projection which is given by the government and we use that for the clock," he said.

When asked why it was necessary to put this clock up, he said that it was important for the people to be aware of the manner in which the population was increasing and it was given to them by the Ministry of Health. He said that an agency that created the clock was given the formula.

Regarding the feedback which they got from the India population clock which was unveiled last year, he said the students from time to time were curious to know whether the population had increased or not.

He said that the census work station was also set up with the support of the Census Directorate.

When asked whether the use of technology could make the census easy where people could register their presence through their mobile phones, he said most of the government schemes for beneficiaries were based on the census data of 2011 and based upon this the government made its policy.

He said that in India even now many people did not go in for birth certificates. "Technology is a different dimension but this cannot work in India as it works abroad," he added.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

याद किए गए भौतिक विज्ञानी सर वेंकट रमन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित हुईं विविध प्रतियोगिताएं, पुरस्कृत किए गए प्रतिभागी व शोधार्थी

लखनऊ (एसएनबी)। राजधानी स्थित विभिन्न वैज्ञानिक व शिक्षण संस्थानों में मंगलवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें व्याख्यानों के माध्यम से वैज्ञानिक जानकारियां दी गयी तथा प्रसिद्ध भारतीय भौतिक विज्ञानी सर चंद्र शेखर वेंकट रमन को याद किया गया। इस दौरान विविध वैज्ञानिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया तथा अव्वल रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया, साथ ही शोधार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का अवसर पर मंगलवार में केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) आम जनता सहित विद्यार्थियों के लिए खुला रहा। इस अवसर पर लगभग 400 से भी अधिक स्कूल/कॉलेज के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों को संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं जैसे पायलट प्लांट फैसिलिटी, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, आसवन इकाई, एक्सप्रेश्न, सेंट्रल फैसिलिटी, टिशू कल्चर लैब, एल.सी.एम.एस. लैब प्रक्षेत्र व मानव गार्डेन का भ्रमण कराया गया। इस संवाद में डा. वी. आर. सिंह, डा. ए. एस. नेगी, डा. डी. सैकिया, डा. एल. रहमान व डा. संजय कुमार ने भाग लिया।

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पद्म भूषण डा. राजेंद्र सिंह परोदा, संस्थापक अध्यक्ष, ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, नई दिल्ली, भूतपूर्व महानिदेशक, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

पद्मभूषण प्रो. कैलाश नाथ कौल एक महान भारतीय वनस्पतिशास्त्री, प्रकृतिप्रेमी एवं सफल कृषि वैज्ञानिक थे, जिनको बागवानी, वन्यजीव, पेड़ पौधों से काफी लगाव था। प्रो. कौल ने ही वर्ष 1948 में लखनऊ में राष्ट्रीय वनस्पति उद्यान की स्थापना की थी, जो वर्ष 1953 में राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के रूप में परिवर्तित हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रो. कैलाश नाथ कौल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक डा. अजित कुमार शासनी ने अपने स्वागत सम्बोधन में कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं श्रोताओं का स्वागत करते हुए प्रो. कौल के योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. प्रमोद शिर्के ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा डा. अदिति गुप्ता, वरि. वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान में आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के विशिष्ट प्रोफेसर तथा सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक एवं डीएसआईआर, भारत सरकार के पूर्व सचिव डा. शेखर सी. मांडे की उपस्थिति सम्पन्न हुआ। उन्होंने 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम एवं उसके पश्चात वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस आयोजन में विज्ञान संकाय के सभी विभागों के साथ-साथ इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय के विभागों और एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। भौतिकी विभाग के पीएचडी छात्रों ने प्लाज्मा भौतिकी में हाल की प्रगति को प्रदर्शित किया और दंत समस्याओं के उपचार में सिरेमिक सामग्री के महत्व को भी प्रदर्शित किया। वहीं, फार्मास्युटिकल साइंस के छात्रों ने अपने विभाग के इन-हाउस उत्पादों जैसे क्षारीय पानी, मच्छर भगाने वाले, सैनिटाइजर का प्रदर्शन किया और कुछ पैथोलॉजिकल टेस्ट भी दिखाए। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं मुख्य अतिथि मेजर जनरल (प्रो.) अतुल कोतवाल ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और विज्ञान संकाय के सभी विभागों के प्रमुखों के प्रयासों की सराहना की।

केन्द्रीय विद्यालय गोमती नगर में दोनों पालियों में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विज्ञान शिक्षकों द्वारा वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए अनेक रुचिकर प्रयोग प्रदर्शित किए गए। विद्यालय के प्राचार्य डा. सी.वी.पी. वर्मा ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि पैदा करने के लिए अनेक उपायों पर चर्चा की, जिससे कि विद्यार्थियों में जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान की सोच अपनी बुलंदियों को छू सके। इस अवसर पर विज्ञान विभाग के शिक्षक ज्योत्सना, सुनील रावत, ए.पी. अंसारी, रमेश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग, स्कूल ऑफ फिजिकल एंड डिसीजन साइंस ने आईआईसी बीबीएयू, लखनऊ के सहयोग से आज 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं डीन, एसपीडीएस प्रो. बाल चंद्र यादव ने मुख्य अतिथि विप सुभाष त्रिपाठी एवं मुख्य वक्ता डा. सी.एम. नौटियाल को पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिह्न भेंटकर स्वागत किया। प्रो. यादव ने 'वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम के बारे में संक्षिप्त में जानकारी दी।

JAGRAN CITY PAGE I, III

हमारी ताकत को बताती है डिजिटल जनसंख्या घड़ी

लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण करते उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, साथ में उपस्थित कुलपति प्रो .आलोक कुमार राय व अन्य ● जागरण

जासं, लखनऊः देश और प्रदेश में जनसंख्या किस तरह से बढ़ रही है, इसे लखनऊ विश्वविद्यालय में लगे डिजिटल जनसंख्या घड़ी में देख सकते हैं। मंगलवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश की जनसंख्या को बताने वाली डिजिटल घड़ी का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल घड़ी हमारी ताकत को दर्शाती है, साथ ही जिम्मेदारी को भी बताती है।

जनसंख्या अनुसंधान केंद्र और अर्थशास्त्र विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश का परिदृश्य बदला है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय महानिदेशक सांख्यिकी श्रीकल सिंह ने बताया कि इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या को देखा जा सकता है। इसकी स्थापना से जनसंख्या अनुसंधान केंद्र मजबूत होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव रोली सिंह ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में इसका पूरा सहयोग मिलेगा। उप महानिदेशक सांख्यिकी अंजली रावत ने कहा कि देश भर में 18 पापुलेशन रिसर्च सेंटर (पीआरसी) हैं, जो जनसंख्या और स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। कुलपति प्रो. आलोक राय, जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक व अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल ने भी विचार रखे। संचालन प्रो. अशोक कैथल और उर्वशी सिरोही ने किया।

प्रदेश से अपराध का खात्मा, कानून का राज

विश्वविद्यालय में डिजिटल घड़ी का लोकार्पण करने के बाद मालवीय भवन में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि 2017 से पहले यूपी के छात्र दिल्ली और दूसरे राज्यों में पढ़ाई करने के लिए जाते थे। अब माहौल बदल गया है। प्रदेश में आधुनिक और रोजगारपरक कोर्स संचालित हो रहे हैं। पहले प्रदेश अपराध के लिए पहचाना जाता था। आज कानून का राज है। मौजूदा समय में दो लाख 70 हजार किलोमीटर पक्की सड़कें हैं। सबसे ज्यादा यूपी में 21 हवाई हड्डे हैं। 24 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है।

प्रदेश की जनसंख्या 24 करोड़ के पारः डिजिटल घड़ी में मंगलवरा को प्रदेश की जनसंख्या 24 करोड़ एक लाख 99 हजार 800 बताई गई।

स्नातक तीसरे सेमेस्टर की बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट परीक्षाएं 11 मार्च से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक बीए, बीएससी, बीकाम तीसरे सेमेस्टर एजेम्प्टेड, बैक पेपर एवं इम्प्रूवमेंट परीक्षाओं का कार्यक्रम मंगलवार को जारी कर दिया। यह परीक्षाएं 11 मार्च से शुरू होंगी। www.lkouniv.ac.in के माध्यम से विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम डाउनलोड कर सकते हैं।

बीए तीसरे सेमेस्टर एजेम्प्टेड, बैक पेपर एवं इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं 11 मार्च से 10 अप्रैल तक दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी। बीएससी तीसरे सेमेस्टर में यह परीक्षाएं 11 से 29 मार्च और बीकाम तीसरे सेमेस्टर एजेम्प्टेड, बैक पेपर एवं इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं 18 से 29 मार्च तक होंगी। समय दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगा।

वाट्सएप पर बताएं समस्याः लवि ने नकल विहीन विषम सेमेस्टर-2022 की परीक्षाओं के संचालन के लिए वाट्सएप्प नंबर-6393725561 जारी किया है। परीक्षाओं के संबंध में कोई भी छात्र-छात्रा, महाविद्यालय एवं परीक्षा केंद्र परीक्षा संचालन में कोई त्रुटि या दिक्कत के लिए सूचना भेज सकता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग मे आयोजित प्रदर्शनी ● जागरण

विद्यार्थियों ने बताया विज्ञान में है असली चमत्कार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी संकाय के अलावा एकेटीयू के छात्र- छात्राओं ने विज्ञान के चमत्कार भी दिखाए। रसायन विज्ञान विभाग के पीएचडी छात्रों ने पोटेशियम परमैंगनेट और ग्लिसरीन का उपयोग कर 'हवन साम्रगी' को जलाकर दिखाया। जल उपचार और खाद्य और डेयरी उत्पादों में मिलावट की जांच की। सिंथेटिक खून, जूस बनाने के तरीके भी दिखाए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और मुख्य अतिथि मेजर जनरल (प्रो.) अतुल कोतवाल ने सभी की सराहना की।

अपनी जिज्ञासा से विज्ञान को बना सकते हैं बेहतर : केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआइ) मैसूर के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डा. एएसकेवीएस शर्मा ने कहा कि अपनी जिज्ञासा से वस्तुओं को बेहतर बनाने के लिए

पीएचडी हिंदी की प्रवेश परीक्षा अब छह को

जासं, लखनऊ : लवि ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नेट की परीक्षा दिसंबर-2022 की वजह से पीएचडी हिंदी की प्रवेश परीक्षा की तिथि में बदलाव कर दिया है। अब परीक्षा छह मार्च को शाम की पाली में होगी। मंगलवार को काफी अभ्यर्थियों ने तिथि बदलने की मांग को लेकर ट्वीट किया था। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तीन मार्च से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नेट की की परीक्षाएं शुरू कराएगी। इनमें पीएचडी हिंदी की प्रवेश परीक्षा सीधे तौर पर एक ही दिन पड़ रही थी, वहीं पालिटिकल साइंस दूसरे दिन।

AMRIT VICHAR PAGE 4

डिजिटल जनसंख्या घड़ी प्रदेश की बनेगी ताकत

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

लविवि में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण करते उप मुख्यमंत्री । अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। इस मौके पर ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला प्रदेश है। उत्तर प्रदेश का परिदृश्य बदला है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी सम्बल और ताकत है।

वहीं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के महानिदेशक सांख्यकी कल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की यह नई पहल है। इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या देखा जा सकता है। वहीं कुलपति अलोक राय ने कहा कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र का डाटा विश्वविद्यालय सहित प्रदेश को लाभान्वित करता है। विश्वविद्यालय इन अध्ययनों का लाभ लेकर अपनी नीतियों का निर्माण और उद्देश्यों को प्राप्त करते है। जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी के माध्यम से जनसंख्या नीति और कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सकता है। लखनऊ में पहली बार जनसंख्या अनुसंधान केंद्र में कार्यकारी स्टेशन की स्थापना जनसंख्या संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण में सहायक सिद्ध होगी।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा 5 व 6 को

पीएचडी सत्र 2022-23 की प्रवेश परीक्षा दिनांक 5 व 6 मार्च आयोजित होगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि परीक्षा व ओल्ड व न्यू दोनो कैंपस में दो पालियों में संपन्न होगी। जिन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए फॉर्म भरा है वे लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करके प्रिंट कर लें। उन्होंने बताया कि एनटीए की ओर से 28 फरवरी को जारी नेट परीक्षा के परीक्षा कार्यक्रम को देखते हुए हिंदी विषय की पीएचडी की प्रवेश परीक्षा जो पहले दिनांक 5 मार्च को निर्धारित थी वह अब 6 मार्च को शाम की पाली में कराई जाएगी।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों ने देखी विज्ञान फिल्में

लखनऊ। रॉबिन हुड अकादमी के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों ने जूलॉजी के प्राणि वैज्ञानिक संग्रहालय का दौरा किया और सभागार में विज्ञान फिल्में देखीं। ऐसे डेढ़ सौ से अधिक छात्रों ने के साथ विज्ञान दिवस का आनंद लिया। जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम. सेराजुद्दीन ने बताया कि फिजिक्स विभाग में आयोजित साइंस फेस्टिवल मेले में जूलॉजी के स्टॉल पर ढाई सौ से अधिक लोग पहुंचे।

नैनो टेक्नोलॉजी रिसर्च में अपार संभावनाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में 'नैनोटेक्नोलॉजी में संभावनाएं और वैश्विक कल्याण के लिए इसके अनुप्रयोग' पर एक विशेष आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया। इस मौके पर भौतिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर की प्रो. शिखा वर्मा इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। वहीं प्रो. एके सिंह, डीन- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय ने सोलर सेल और शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने की भारत की महत्वाकांक्षा के बारे में भी बात की। उन्होंने उन क्षेत्रों में अनुसंधान के विभिन्न अवसरों के बारे में भी बात की।

आयोजन | **नोबेल पुरस्कार विजेता सीवी रमन को किया याद**

शिक्षण संस्थानों में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विश्वविद्यालय समेत सभी शिक्षण संस्थानों में मंगलवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक संस्थानों में नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी सर सीवी रमन को याद किया गया। साथ ही विज्ञान विभिन्न पहलुओं पर चर्चा भी की गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के पीएचडी छात्रों ने प्लाज्मा भौतिकी में हाल की प्रगति को प्रदर्शित किया और दंत समस्याओं के उपचार में सिरेमिक सामग्री के महत्व को भी प्रदर्शित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे कटहल का दूध दांतों में कैविटी के इलाज में मददगार है।

सांख्यिकी विभाग के छात्रों ने कुछ वास्तविक समय के आंकड़ों पर आधारित खेलों का प्रदर्शन किया। वहीं फार्मास्युटिकल साइंस के छात्रों ने अपने विभाग के इन-हाउस उत्पादों जैसे क्षारीय पानी, मच्छर भगाने वाले, सेनिटाइजर का प्रदर्शन किया। भूविज्ञान विभाग ने कुछ प्राकृतिक पत्थरों को प्रदर्शित किया और चट्टान के निर्माण के बारे में बताया।

इंजीनियरिंग फैकल्टी और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के छात्रों ने रोबोटिक प्रयोग और रोबोट असिस्टेड मेडिकल चेयर का प्रदर्शन किया। वन्य जीवन संस्थान ने भी कुछ खाद्य बाजरा आधारित वस्तुओं का प्रदर्शन किया और लखनऊ के पास मौजूद कुछ वन्य जीवन को प्रदर्शित किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं मुख्य अतिथि मेजर जनरल प्रो. अतुल कोतवाल छात्रों के प्रयासों की सराहना।

उधर, एकेटीयू के फार्मेसी संकाय में विज्ञान दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्रों व शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

एमिटी यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों में विज्ञान और तकनीकि के प्रति रुझान और रुचि बढ़ाने के लिए एमिटी स्कूल ऑफ एप्लाइड साइंसेज (एएसएएस), एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ परिसर द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया।

वहीं सीएसआईआर-सीमैप ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आम जनता सहित विद्यार्थियों के लिए खुला रहा। इस अवसर पर लगभग 400 से भी अधिक स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करें छात्र : त्रिपाठी

अंबेडकर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग ने वैश्विक विज्ञान विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष व डीन प्रो. बाल चंद्र यादव ने मुख्य अतिथि विधान सभा सदस्य सुभाष त्रिपाठी मुख्य वक्ता, बीएसआईपी रेडियो कार्बन लैब के पूर्व प्रमुख डॉ. सीएम नौटियाल को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। प्रो. यादव ने वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान थीम के बारे में संक्षिप्त में जानकारी दी। वहीं मुख्य अतिथि विधान सभा सदस्य सुभाष त्रिपाठी ने डॉ. सीवी रमन के बारे अपने विचार रखे। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करे, राष्ट्र को सशक्त बनाने का यह सबसे अच्छा मार्ग है। इस अवसर पर स्कूल के 19 छात्रों ने पेपर प्रेजेंटेशन दिया और 12 ने पोस्टर के रूप में अपनी कृतियों को प्रस्तुत किया। बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन के लिए तीन छात्रों को और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीन छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

वीसी केयर फंड से छात्रों को राहत

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में जरूरतमंद छात्रों के लिए शुरू की कई वीसी केयर फंड से छात्रों को काफी राहत मिली है। इस बारे में जानकारी देते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि अभी तक काफी संख्या में छात्रों को इसका लाभ मिल चुका है। इस योजना की सराहना भी हुई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से छात्रों को लाभ देने के लिए दान भी किया जा सकता है।

VoL PAGE 3

हिन्दी विषय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा छह को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए पीएचडी प्रवेश परीक्षा 5 एवं 6 मार्च को प्रथम और द्वितीय परिसर में दो पालियों में आयोजित होगी। इसकी जानकारी देते हुए लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए फॉर्म भरा है वे लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एडमिशन पेज पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करके प्रिंट कर लें। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को यह निर्देशित किया जाता है कि एडमिट कार्ड पर दिये गए निर्देश अवश्य पढ़ लें। एनटीए की ओर से मंगलवार को जारी नेट परीक्षा के परीक्षा कार्यक्रम को देखते हुए हिंदी विषय की पीएचडी की प्रवेश परीक्षा जो पहले 5 मार्च को निर्धारित थी वह अब 6 मार्च को शाम की पाली में करायी जायेगी।

HT PAGE 3

LU, AKTU students exhibit science projects

The faculty of science at Lucknow University celebrated National Science Day collectively at the department of physics on Tuesday. All the departments of the faculty of science and the departments of the faculty of engineering and technology and students from Dr APJ Abdul Kalam University participated in the event.

The PhD students of the department of chemistry in their science stall showcased experiments like burning of "Havan Samagri" using potassium permanganate and glycerin, water remediation and some household quick tests to assess the adulteration in food and dairy products.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी प्रदेश की सम्बल और ताकत है : ब्रजेश पाठक

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य

डिजिटल जनसंख्या घड़ी का हुआ लोकार्पण

परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के महानिदेशक सांख्यकी श्री कल सिंह, उप महानिदेशक श्रीमती अंजली रावत, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार रॉय और जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो एम के अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला प्रदेश है। उत्तर प्रदेश का परिदृश्य बदला है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी सम्बल और ताकत है। जनसंख्या अनुमान के अनुसार संसाधनों का विकास करना है। अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े तैतीस लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए है इन्हें धरातल पर उतरना है। देश का लगभग साठ प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनता है। प्रदेश में जनसुविधाओं का तीव्र गति से विकास हुवा है,जिससे प्रदेश के निवासी गर्व महसूस कर रहें है। प्रदेश की जनसंख्या घड़ी को लगाना महत्वपूर्ण है यह न केवल हमारी ताकत को दर्शाती है बल्कि जिम्मेदारी का भी अहसास कराती है। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के महानिदेशक सांख्यकी श्रीकल सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की यह नई पहल है। इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या देखा जा सकता है। इसका दीर्घकालिक परिणाम होगा। सेंसस वर्क स्टेशन स्थापना से जनसंख्या अनुसंधान केंद्र मजबूत होगा। स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय एवं नीति आयोग को यह केंद्र डाटा उपलब्ध कराते हैं। पीआरसी लखनऊ को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इस कार्यशाला से भविष्य में लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की मिशन निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव रोली सिंह ने वर्चुवल संबोधित करते हुए कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में इससे सहयोग मिलेगा। अनुसंधान के द्वारा इस प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं बनाई जाए जिससे सभी का कल्याण हो। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के उप महानिदेशक सांख्यकी अंजली रावत ने कहा कि देश भर में 18 पीआरसी है जो पापुलेशन और स्वास्थ्य सम्बन्धी क्षेत्र में कार्य करते है। नीति आयोग पीआरसी की मोनेटरिंग करती है। प्रत्येक वर्ष हम सभी बैठक करके अध्ययन की नीति तय कर कार्य करते है जिससे सामाजिक प्रासंगिकता बनी रहती है। अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार रॉय ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र का डाटा विश्वविद्यालय सहित प्रदेश को लाभान्वित करता है। विश्वविद्यालय इन अध्ययनों का लाभ लेकर अपनी नितियों का निर्माण और उद्देश्यों को प्राप्त करते है। ऐसा मेकेनिज्म बनाया जाय जिससे सभी विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं शिक्षक इसका लाभ उठा सकें। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में पीआरसी मदद करें। पीआरसी के रिपोर्ट विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित की जाय जिससे शोध को बढ़ावा मिलेगा।

VoL PAGE 6

जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी प्रदेश की संबल और ताकत है : ब्रजेश पाठक

लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का हुआ लोकार्पण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में डिजिटल जनसंख्या घड़ी का लोकार्पण उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के महानिदेशक सांख्यकी काल सिंह, उपमहानिदेशक अंजली रावत, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय और जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो एम के अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी सम्बल और ताकत है। जनसंख्या अनुमान के अनुसार संसाधनों का विकास करना है। अभी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में साढ़े तैतीस लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए है इन्हें धरातल पर उतरना है। देश का लगभग 60 प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बनता है। प्रदेश में जनसुविधाओं का तीव्र गति से विकास हुआ है, जिससे प्रदेश के निवासी गर्व महसूस कर रहें है। प्रदेश की जनसंख्या घड़ी को लगाना महत्वपूर्ण है यह न केवल हमारी ताकत को दर्शाती है बल्कि जिम्मेदारी का भी अहसास कराती है। भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के महानिदेशक सांख्यकी कालसिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय की यह नई पहल है। इस घड़ी में भारत के साथ उत्तर प्रदेश की अनुमानित जनसंख्या देखा जा सकता है। इसका दीर्घकालिक परिणाम होगा। सेंसस वर्क स्टेशन स्थापना से जनसंख्या अनुसंधान केंद्र मजबूत होगा। स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय एवं नीति आयोग को यह केंद्र डाटा उपलब्ध कराते हैं। पीआरसी लखनऊ को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इस कार्यशाला से भविष्य में लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की मिशन निदेशक एवं अतिरिक्त सचिव रोली सिंह ने वर्चुवल संबोधित करते हुए कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में इससे सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के उप महानिदेशक सांख्यकी अंजली रावत ने कहा कि देश भर में 18 पीआरसी है जो पापुलेशन और स्वास्थ्य सम्बंधी क्षेत्र में कार्य करते है। नीति आयोग पीआरसी की मोनेटरिंग करती है। प्रत्येक वर्ष हम सभी बैठक करके अध्ययन की नीति तय कर कार्य करते है जिससे सामाजिक प्रासंगिकता बनी रहती है।

अध्यक्षता करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र का डाटा विश्वविद्यालय सहित प्रदेश को लाभान्वित करता है। विश्वविद्यालय इन अध्ययनों का लाभ लेकर अपनी नीतियों का निर्माण और उद्देश्यों को प्राप्त करते है। ऐसा मेकेनिज्म बनाया जाय जिससे सभी विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं शिक्षक इसका लाभ उठा सकें। जनसंख्या अनुशंधान केंद्र के निदेशक एवं अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो मनोज कुमार अग्रवाल ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि जनसंख्या के लिए डिजिटल घड़ी के माध्यम से जनसंख्या नीति और कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा सकता है। लखनऊ में पहली बार जनसंख्या अनुसंधान केंद्र में कार्यकारी स्टेशन की स्थापना जनसंख्या संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण में सहायक सिद्ध होगी। कार्यशाला के निष्कर्ष राज्य सरकार की नीतियों को क्रियान्वयन करने में लाभकारी सिद्ध होगा।

शुरू हुई कार्यशाला : प्रो अग्रवाल ने बताया कि जनसंख्या अनुसंधान केंद्र वैज्ञानिक एवं सलाहकार समिति की बैठक के साथ ही रिपोर्ट राइटिंग कार्यशाला शुरू हुई है जो तीन दिनों तक चलेगी। कार्यशाला का समापन दो मार्च को होगा। इसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, देशभर के जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के सदस्य भाग लेरहे है। उद्घाटन सत्र का संचालन संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र विभाग के प्रो अशोक कुमार कैथल एवं उर्वशी सिरोही द्वारा किया गया।

छात्रों ने जूलॉजी के प्राणी वैज्ञानिक संग्रहालय किया दौरा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

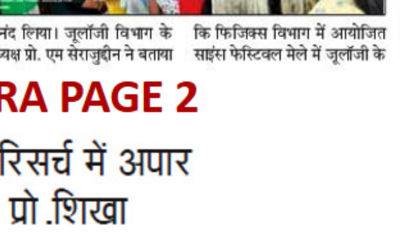

लखनऊ। रॉबिन हुड अकादमी के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग के प्राणि वैज्ञानिक संग्रहालय का दौरा किया और सभागार में विज्ञान फिल्में देखीं।

इस दौरान डेढ़ सौ से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रो. अमिता कनौजिया द्वारा प्रदान किये गये स्वस्थ स्नैक्स के साथ विज्ञान दिवस का आनंद लिया। जूलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि फिजिक्स विभाग में आयोजित साइंस फेस्टिवल मेले में जूलॉजी के स्टॉल पर ढाई सौ से अधिक लोग पहुंचे। जूलॉजी स्टॉल पर लाइव दिखाये गये सूक्ष्म जीवन में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गहरी दिलचस्पी दिखायी। जूलॉजी के स्टॉल पर दो सौ से ज्यादा लोगों ने अपने ब्लड ग्रुप और क्रोनोटाइप की जांच की। पन्ना रंग का ईएमयू अंडा, ताजे पानी के स्पंज, सेल्फी प्वाइंट, पर्यावरण के अनुकूल सांप और सीढ़ी का खेल और बाजरा आधारित उत्पाद जूलॉजी स्टॉल के मुख्य आकर्षण रहे।

TARUN MITRA PAGE 2

नैनो टेक्नोलॉजी रिसर्च में अपार संभावनाएं- प्रो .शिखा

लविवि में विज्ञान दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ, 28 फरवरी (तरुणमित्र)। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय,लखनऊ विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर नैनो टेक्नोलॉजी में संभावनाएं और वैश्विक कल्याण के लिए इसके अनुप्रयोग पर एक विशेष आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर साल 28 फरवरी को नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक वैज्ञानिक सीवी रमन द्वारा पथ प्रदर्शक खोज का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जाता है। भौतिक विज्ञान संस्थान भुवनेश्वर की प्रो. शिखा वर्मा इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहीं। वहीं,प्रो.एके सिंह डीन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय ने प्रो.वर्मा का भव्य स्वागत किया। अपने परिचयात्मक भाषण में प्रो. सिंह ने रमन प्रभाव और विज्ञान के क्षेत्र में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सत्र के विषय का परिचय दिया और प्रो.शिखा को मंच पर आमंत्रित किया। प्रो. वर्मा ने अपने व्याख्यान में एएफएम के माध्यम से नैनो-संरचनाओं, सतहों का परमाणु दृश्य, रमन प्रभाव और कमल के पत्ते का प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने सोलर सेल और शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने की भारत की महत्वाकांक्षा के बारे में भी बात की। उन्होंने उन क्षेत्रों में अनुसंधान के विभिन्न अवसरों के बारे में भी बात की। व्याख्यान में भाग लेने वाले छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के प्रो. शिखा ने विस्तृत जवाब दिये।